



GhnsHYam

02 Oct 1999

12:55 AM

Bap

Model: web-freelalkitab

Order No: 121755903

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 1-02/10/1999
दिन _____: शुक्र-शनिवार
जन्म समय _____: 00:55:00 घंटे
इष्ट _____: 45:55:12 घटी
स्थान _____: Bap
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 27:22:00 उत्तर
रेखांश _____: 72:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:40:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:14:32 घंटे
वेलान्तर _____: 00:10:07 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:54:52 घंटे
सूर्योदय _____: 06:32:55 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:27:19 घंटे
दिनमान _____: 11:54:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 14:19:05 कन्या
लग्न के अंश _____: 29:42:01 मिथुन

चैत्रादि संवत / शक _____: 2056 / 1921
मास _____: आश्विन
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 7
तिथि समाप्ति काल _____: 22:32:12
जन्म तिथि _____: 8
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 19:53:55 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग _____: व्यतिपात
योग समाप्ति काल _____: 13:23:18 घंटे
जन्म योग _____: वरियान
सूर्योदय कालीन करण _____: विष्टि
करण समाप्ति काल _____: 11:37:13 घंटे
जन्म करण _____: बालव
भयात _____: 12:32:41
भभोग _____: 56:56:32
भोग्य दशा काल _____: राहु 14 वर्ष 0 मा 4 दि

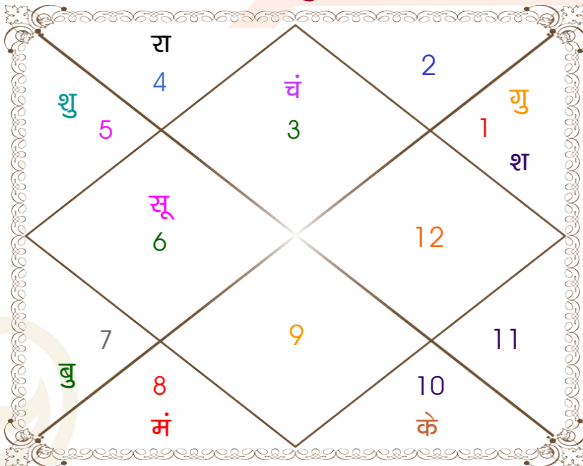
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मिथुन	29:42:01	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कन्या	14:19:05	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	मिथुन	09:37:14	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	वृश्चिक	25:20:43	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	तुला	01:04:26	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	व मेष	08:52:55	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	सिंह	02:07:27	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शनि	व मेष	22:24:39	नीच राशि	--	--	हाँ	नेक
राहु	व कर्क	17:26:41	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
केतु	व मकर	17:26:41	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा

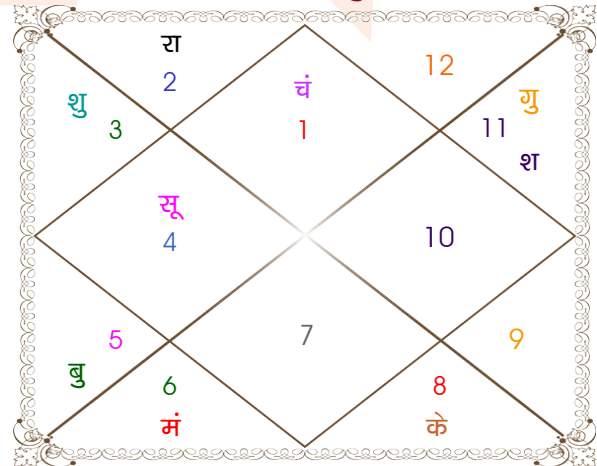
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करते रहेंगे। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगे। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक कार्य छोड़ कर नया काम करेंगे तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगे। पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगावएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगे। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगे। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह कर सकेंगे। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएं। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहनों से संबंधित कामों में लाभ होगा। पत्नी से लाभ होगा या पत्नी की नौकरी में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़े, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखें या किसी स्त्री से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता एवं बहन के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगे। माता का मन अशांत एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती हैं। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़े तो रक्तचाप का भय और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी की आदत से बचें।
2. स्त्रियों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :

1. अंधों को भोजन दें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से आपका जन्म आपके माता-पिता की तपस्या के बाद हुआ होगा या भगवान की मिन्नतें-मन्नतें मांग कर या आपके जन्म से पहले कई बहनों का जन्म हुआ होगा। आप सबको वशीभूत कर लेते हैं। आप शांत स्वभाव के सुंदर और सफेद कपड़े पहनने के शौकीन हैं। आप विभिन्न भाषाओं के विद्वान

होंगे। आपको पैतृक मकान का सुख मिलेगा। आपको जीवन भर संपत्ति की कमी महसूस नहीं होगी। 28 वर्ष की उम्र में विवाह हो तो जीवन भर सुख मिलेगा। पराई अमानत पास रह जायेगी जिससे अमीर हो जाएँगे। जब तक माता जीवित रहेंगी धन-दौलत का अभाव नहीं रहेगा। लंबी उम्र के मालिक होंगे। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आपके जन्म के बाद पिता की माली-हालत अच्छी होगी। लम्बी आयु, कारोबार तथा धन लाभ के लिए शुभ होगा। बुढ़ापा उत्तम रहेगा। 24 या 27 साल की उम्र में अगर सफर करें तो सफर से वापस घर आकर मां का आशीर्वाद लेने से माता की आयु बढ़ेगी। 24 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

यदि आपने 24 वर्ष आयु से पहले मकान बनाया होगा, 28 वर्ष आयु में विवाह किया हो, आपने नौकरानी से झगड़ा या गाय को कष्ट दिया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से पानी में डूबने का भय, मानसिक रोग, पुत्र सुख का अभाव, अति चिन्ता रहना, शारीरिक कमजोरी, आंख की पुतली खराब होना, घर में बाग-बगीचा हो तो उजड़ा सा रहेगा, आपको दिल की बिमारियां हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पियें।
2. बट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।